सटरडे क्लब में ब्रिज एण्ड रूफ कंपनी के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक श्री मुकेश झा संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए। पास ही चित्र में चंदन चौधरी निदेशक (वित्त), कल्लोल गुहा मुख्य महाप्रबंधक, (एचआरडी) एवं एस. राय मुख्य महाप्रबंधक (यांत्रिक) पूर्व परिलक्षित हैं। विश्वमित्र

ब्रिज एंड रुफ का उत्कृष्ट प्रदर्शन, कारोबार १००० करोड़ से ऊपर गया

कोलकाता, ३० जून (नि.प्र.)। दुनिया भर में छाई आर्थिक मंदी के बावजूद ब्रिज एंड रुफ कम्पनी (इंडिया) लिमिटेड (बी एंड आर) ने वर्ष २००८-०९ के वित्तीय वर्ष में अपने कुल कारोबार को बढ़ाकर ९३८.०५ करोड तक पहुंचा दिया है। पिछले वर्ष यह राशि ७१४.७९ करोड ही थी। कम्पनी के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री मुकेश झा ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि ब्रिज एंड रुफ ने समर्पण के साथ अपनी नीतियों को प्रयोग में लाकर आर्थिक मंदी के दौर में यह सफलता प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि वर्ष २००८-०९ में सकल बिक्री में ३१ प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इसके साथ ही कम्पनी की प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) में भी ११४ प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। उल्लेखनीय है कि सरकारी व सार्वजनिक, निजी क्षेत्र की बड़ी-बड़ी कम्पनियों में औद्योगिक निर्माण के लिए ब्रिज एंड रुफ को सम्मान के साथ याद किया जाता है। कम्पनी के ग्राहकों में एचपीसीएल, भेल, एयरपोर्ट अथारिटी, सेल, गेल, ओएनजीसी, रेलवे, पोर्ट ट्रस्ट, पीडब्ल्यूडी के साथ ही रिलायंस, टिस्को, इंडियन ऑयल, भूषण स्टील, जिंदल स्टील एंड पावर, हल्दिया पेट्रो केमिकल्स सहित ढेरों कंपनियां शामिल हैं। श्री झा ने बताया कि ब्रिज एंड रुफ सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपने ग्राहकों की सेवा में उपलब्ध है। नेपाल, मालद्वीप, श्रीलंका, भूटान और मध्य एशिया में कई परियोजनाओं पर कार्य कर रही है। इसके अलावा कुवैत, ओमान से भी कम्पनी को कई प्रस्ताव मिलने वाली है। उल्लेखनीय है कि ब्रिज एंड रुफ रेलवे वैगन, ब्रिज, हाई वे, स्टील व कंक्रीट ब्रिज और फ्लोटिंग रुफ टैंक के निर्माण में एक जाना पहचाना नाम है। कम्पनी का एक वर्कशाप हावडा में है, जहां से भारतीय रेलवे के लिये बीजी बोगी व वैगन की आपूर्ति की जाती है। इसके अलावा स्टील फैब्रिकेशन वर्क और रेलवे के लिये ब्रिज गिरडर्स का भी निर्माण होता है।